भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †42

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

श्रीसैलम तीर्थाटन

†42. डॉ. बायरेड्डी शबरी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आन्ध्र प्रदेश के श्रीसैलम मंदिर में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम, तिरुपति आदि मंदिरों को जोड़ने के लिए तीर्थयात्रा परिपथ शुरू करने का है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा नियोजित और विचारधीन नए तीर्थस्थलों की पूरी सूची क्या है; और

(ड.) क्या सरकार के पास केन्द्रीय निधियों का उपयोग करते हुए आन्ध्र प्रदेश के मंदिरों में पर्यटन अवसंरचना में सुधार के संबंध में आंकड़े हैं, यदि हाँ, तो विगत पाँच वर्षों के दौरान स्वीकृत और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में देश भर में पूर्व-चिन्हित धार्मिक और विरासत स्थलों पर अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से प्रशाद (तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) नामक योजना शुरू की थी।

इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय इन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत 1621.14 करोड़ रुपये की लागत से 46 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश में 43.08 करोड़ रुपये की लागत से 'श्रीशैलम मंदिर के विकास' के साथ-साथ 27.77 करोड़ रुपये और 54.04 करोड़ रुपये की लागत से क्रमशः 'अमरावती में तीर्थयात्रा संबंधी सुविधाओं का विकास' तथा 'सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी

वरीदेवस्थानम में तीर्थयात्रा संबंधी सुविधाओं के विकास' नामक 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। अमरावती और श्रीशैलम में परियोजनाएं भौतिक रूप से पूरी हो चुकी हैं और सिम्हाचलम में प्रशाद परियोजना के लिए 13.69 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

प्रशाद योजना के अंतर्गत 'अन्नावरम, काकीनाडा जिला' और 'वेदागिरी लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी मंदिर, नेल्लोर जिला' नामक दो स्थलों को विकास के लिए चिन्हित किया गया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत आंध्र प्रदेश में 67.83 करोड़ रुपये, 49.55 करोड़ रुपये और 35.24 करोड़ रुपये की लागत से क्रमशः 'काकीनाडा - होप आइलैंड - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पासरलापुडी - अदुरु - एस यानम - कोटिपल्ली का विकास,' 'नेल्लोर - पुलिकट झील - उबब्लामाडुगु जल प्रपात - नेलापट्टू - कोथाकोडुरु - मायपाडु - रामातीर्थम - इस्कापल्ली का विकास,' और 'बौद्ध परिपथ: शालिहुंडम - बाविकोंडा - बोज्जानकोंडा - अमरावती - अनुपु का विकास' नामक कुल 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत उपरोक्त तीन परियोजनाओं के लिए कुल 146.98 करोड़ रुपये का उपयोग कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त, स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 2 गंतव्यों अर्थात् गंडिकोटा और अराकू-लांबासिंगी को विकास के लिए चिन्हित किया गया है। इनमें से स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 29.87 करोड़ रुपये की लागत से अराकू-लांबासिंगी को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, स्वदेश दर्शन के अंतर्गत चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) नामक एक उप-योजना के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश में विकास के लिए नागार्जुन सागर और अहोबिलम की पहचान की गई है।

****